P-529

Total Pages : 3 Roll No. .....

MAJY-501

भारतीय ज्योतिष का परिचय एवं इतिहास-01

MA Jyotish (MAJY)

1st Semester Examination, 2023 (June)

Time : 2 Hours] **Max. Marks : 70**

नोट : यह प्रश्नपत्र सत्तर (70) अंकों का है जो दो (02) खण्डों क तथा ख में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड में दिए गए विस्तृत निर्देशों के अनुसार ही प्रश्नों को हल करना है।

(खण्ड-क)

(दीर्घ उत्तरों वाले प्रश्न)

नोट : खण्ड 'क' में पाँच (05) दीर्घ उत्तरों वाले प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए उन्नीस (19) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल दो (02) प्रश्नों के उत्तर देने हैं। (2×19=38)

1. समाज के उत्थान में ज्योतिषशास्त्र के योगदानों का वर्णन कीजिए।

2. ज्योतिषशास्त्र के विकास की क्रमिक परम्पराओं का विस्तृत विवेचन कीजिए।

3. सिद्धान्त स्कन्ध के किसी दो आचार्यों के व्यक्तित्व एवं कृतित्व का परिचय दीजिए।

4. ज्योतिषशास्त्र का वेदांगत्व निरूपित करते हुए वेदांग ज्योतिष का वर्णन कीजिए।

5. ज्योतिषशास्त्र के उत्पत्तिकाल का वर्णन कीजिए।

(खण्ड-ख)

(लघु उत्तरों वाले प्रश्न)

नोट : खण्ड 'ख' में आठ (08) लघु उत्तरों वाले प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए आठ (08) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल चार (04) प्रश्नों के उत्तर देने हैं। (4×8=32)

1. ज्योतिषशास्त्र के प्रवर्त्तक अष्टादश आचार्यों का संक्षिप्त परिचय दीजिए।

2. ज्योतिषशास्त्र के सिद्धान्त स्कन्ध का संक्षिप्त परिचय दीजिए।

3. होरास्कन्ध के आचार्य वराहमिहिर का विस्तृत परिचय दीजिए।

4. प्रश्नशास्त्र पर एक लघु निबन्ध लिखिए।

5. सामुद्रिक शास्त्र पर एक टिप्पणी लिखिए।

6. रमलशास्त्र का संक्षिप्त परिचय दीजिए।

7. वास्तुशास्त्र के किसी दो प्रमुख ग्रन्थों का परिचय दीजिए।

8. पंच स्कन्धात्मक ज्योतिष शास्त्र पर एक निबन्ध लिखिए।